DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Circular /Acad Sec./ HF/ Curriculum-12(7)/ NEP-PG/ 2023.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Dean, Faculty of Humanities; **the Hon'ble Vice-Chancellor has accepted the following subject wise Curriculum of National Education Policy-2020** under the faculty of Humanities in his emergency powers under Section 12 [7] of the Maharashtra Public University Act, 2016 on behalf of the Academic Council.

Sr. No.	PG Subject wise Curriculum	Semesters
01.	**M.A. First & Second Year Progressively [Marathi]** for affiliated Colleges and University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
02.	**M.A. First & Second Year Progressively [Hindi]** for affiliated Colleges and University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
03.	**M.A. First & Second Year Progressively [Urdu]** for affiliated Colleges and University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
04.	**M.A. First & Second Year Progressively [Pali & Buddhism]** for affiliated Colleges and University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
05.	**M.A. First & Second Year Progressively [Sanskrit]** for affiliated Colleges and University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
06.	**M.A. First & Second Year Progressively [History]** for affiliated Colleges and University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
07.	**M.A. First & Second Year Progressively [Archaeology]** for University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
08.	**M.A. First & Second Year Progressively [Political Science]** for affiliated Colleges and University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
09.	**M.A. First & Second Year Progressively [Public Administration]** for affiliated Colleges and University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
10.	**M.A. First & Second Year Progressively [Lifelong Learning]** for University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
11.	**M.A. First & Second Year Progressively [Political Science]** for affiliated Colleges and University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
12.	**M.A. First & Second Year Progressively [Arabic]** for affiliated Colleges.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**

PTO --2--

13.	**M.A. First & Second Year Progressively [Women's Studies]** for University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
14.	**M.R.S. First & Second Year Progressively [Socio-Cultural and Political Aspects]** for University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
15.	**M.R.S. First & Second Year Progressively [Rural Economics, Banking and Industry]** for University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**
16.	**M.A. First & Second Year Progressively [Thoughts of Mahatma Phule & Dr. Ambedkar]** for University Campus.	**Ist & IInd and IIIrd & IVth**

This is effective from the Academic Year 2023-24 and Onwards progressively as appended herewith.

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Aurangabad-431 004.
Ref. No. SU/Col. & UC/ PG/NEP/
2023/5967-77

Date: 19.07.2023.

****

Deputy Registrar,
Academic.

Copy forwarded with compliments to:-

1] **The Head, all concerned departments ,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad and Sub-Center, Osmanabad.
2] **The Principal, all affiliated colleges,**
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.
3] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

Copy to :-

1] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**
2] **The Sec. Officer, [M.A. Unit] Exam. Branch,**
3] The Section Officer, [Eligibility Unit],
4] The Programmer [Computer Unit-1] Examinations,
5] The Programmer [Computer Unit-2] Examinations,
6] The In-charge, [E-Suvidha Kendra],
7] The Public Relation Officer,
8] The Record Keeper,
Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad.

-=**=-

DrK*190723/-

DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

Curriculum of

M. A. First & Second Year

[Hindi]

Semester-I to IV

'under National Education Policy-2020'

[Implemented at University Autonomous Department]

[Effective from the Academic Year 2023-24 & Onwards Progressively]

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Aurangabad .

Department of Hindi

Year (2yr PG)	Level	Sem. (2Yr)	Major		Research Methodology	On Job Training/Field Project	Research Project	Cum.Cr	Degree
			Mandatory	Elective (Select any one from Basket)					
I	6.0	Sem:I	1.HIN-M-101 आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास-4 2. HIN-M-102 भारतीय साहित्यशास्त्र-4 3. HIN-M-103 भक्तिकालीन काव्य-4 4. HIN-A-104 पटकथा लेखन -2	1. HIN-E-116 उपन्यास साहित्य-4 2. HIN-E-117 नाटक तथा एकांकी साहित्य-4 3. HIN-E-118 व्यंग्य साहित्य-4 4. HIN-E-119 लोक साहित्य-4	1. HIN-R-132 शोध प्रविधि-4	--	--	22	PG Diploma (After 3 Year Dgree)
		Sem:II	5. HIN-M-105 आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास-4 6. HIN-M-106 पाश्चात्य साहित्यशास्त्र-4 7. HIN-M-107 रीतिकालीन काव्य-4 8. HIN-A-108 विज्ञापन लेखन-2	1. HIN-E-120 कहानी साहित्य-4 2. HIN-E-121 जीवनीपरक साहित्य-4 3. HIN-E-122 प्रवासी साहित्य-4 4. HIN-E-123 आलोचना-4	--	HIN-F-133 क्षेत्र कार्य/ सर्वेक्षण-4	--	22	
Com.Cr. For PG Diploma			28	08	04	04	--	44	

Exit Option: PG Diploma (44 Credits) after Three Year UG Degree

Year (2yr PG)	Level	Sem. (2Yr)	Major		Research Methodology	On Job Training/Field Project	Research Project	Cum.Cr	Degree
			Mandatory	Elective (Select any one from Basket)					
II	6.5	Sem:III	9. HIN-M-109 भारतीय साहित्य - I -4 10. HIN-M-110 भाषा विज्ञान -4 11. HIN-M-111 आधुनिक कविता (स्वातंत्रतापूर्व) -4 12. HIN-A-112 अशुध्दिशोधन एवं मुद्रित शोधन -2	1. HIN-E-124 प्रयोजनमूलक हिंदी-4 2. HIN-E-125 हिंदी पत्रकारिता-4 3. HIN-E-126 भाषा शिक्षण-4 4. HIN-E-127 अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य-4	--	--	शोध परियोजना-4	22	PG Degree After 3: Year UG or PG Degree after 4: Year UG
		Sem:IV	13. HIN-M-113 भारतीय साहित्य-II-4 14. HIN-M-114 हिंदी भाषा का इतिहास-4 15. HIN-M-115 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता-4	1. HIN-E-128 साहित्य और सिनेमा -4 2. HIN-E-129 अनुवाद विज्ञान -4 3. HIN-E-130 कार्यालयीन हिंदी -4 4. HIN-E-131 माध्यम लेखन-4	--	--	शोध परियोजना-6	22	
Cum.Cr. For 1 Yr PG Dgree			26	08			10	44	
Cum.Cr. For 2 Yr PG Dgree			54	16	4	4	10	88	

आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

Course Code No.: HIN- M -101	No. of Credits: 04	Semester: I
Course Title:	आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास	

* **उद्देश्य :**

1.साहित्येतिहास लेखन तथा उसकी परम्परा का अध्ययन ।

2.साहित्य और युगबोध के संबधों का अध्ययन ।

3.साहित्य अध्ययन की ऐतिहासिक दृष्टि का विकास ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान
2. दृक- श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. गोष्ठी, परिचर्चा, एवं स्वाध्याय
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

* **पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
1.इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास परंपरा, इतिहास से तात्पर्य, साहित्येतिहास की अवधारणा एवं स्वरुप, साहित्येतिहास और साहित्य विकास के सिध्दांत, हिंदी साहित्येतिहास की आधारभूत सामग्री, हिंदी साहित्येतिहास लेखन : परंपरा और प्रयोग	10
2.हिंदी साहित्य का आदिकाल पृष्ठभूमि, सिध्द, नाथ, जैन, रासो तथा श्रृंगार काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक परिचय, प्रतिनिधि रचनाकार- सरहपा, शालिभद्र सूरि, गोरखनाथ, चंदबरदायी, नरपतिनाल्ह, अमीर खुसरो, विद्यापति	10
3.भक्तिकाल : पृष्ठभूमि, भक्ति-काव्य उद्भावना की विभिन्न मान्यताएँ	05
4.ज्ञानमार्गी काव्यधारा : सन्तकाव्य: प्रवृत्यात्मक अध्ययन, सूफीकाव्य : प्रवृत्यात्मक, अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार: कबीर, नानक, जायसी	10
5.सगुण काव्य धारा: रामकाव्य तथा कृष्ण काव्य: प्रवृत्यात्मक अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार : तुलसीदास, सूरदास	10
6. पृष्ठभूमि, रीतिबध्द, रीतिसिध्द तथा रीतिमुक्त काव्यधारा का प्रवृत्यात्मक अध्ययन प्रतिनिधि रचनाकार, केशवदास, देव, बिहारी, भूषण, घनानंद	15

* टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय	

* संदर्भ ग्रंथः-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी साहित्य की भूमिका - हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का अतीत - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का आदिकाल - हजारीप्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिंदी साहित्य का इतिहास- सं. डॉ. नगेंद्र, मयुर पेपर बैक्स, नोएडा
8. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर

भारतीय साहित्यशास्त्र

Course Code No.: HIN-M-102	No. of Credits: 04	Semester: I
Course Title:	भारतीय साहित्यशास्त्र	

* **उद्देश्य :**

1. भारतीय साहित्य चिंतन का परिचय
2. समीक्षात्मक दृष्टि का विकास
3. साहित्य सृजन, आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान
2. गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय
3. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. अतिथ विद्वानों के व्याख्यान

*	**पाठयांशः**	**तासिकाएँ**
1.	भारतीय साहित्यशास्त्र का विकास	05
2.	साहित्य की परिभाषा, लक्षण, तत्व, साहित्य हेतु, प्रयोजन एवं शब्द शक्तियाँ	
3.	**रस सिध्दांत** रस का स्वरुप, भरतमुनि का रस-चिंतन, रस-सूत्र, लोलट, शंकूक, भट्ट नायक, अभिनव गुप्त का रस-चिंतन	10
4.	**अलंकार सिध्दांत** अलंकार: स्वरूप एवं वर्गीकरण अलंकार चिंतन की परंपरा	10
5.	**रीति सिध्दांत** रीति: अर्थ, स्वरूप, वामन का रीति-चिंतन, रीति के आधारभूत तत्व, रीतिभेद	10
6.	**ध्वनि सिध्दांत** ध्वनि: अर्थ एवं स्वरूप ध्वनि चिंतन की परंपरा आनंद वर्ध्दन का ध्वनि- चिंतन ध्वनि के भेद, ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद	10
7.	**वक्रोक्ति सिध्दांत** वक्रोक्ति से तात्पर्य, वक्रोक्ति चिंतन की परंपरा कुंतक का वक्रोवित चिंतग, वक्रोवित के भेद	10
8.	**औचित्य सिध्दांत** औचित्य चिंतन, आंनद वर्ध्दन एवं क्षेमेंद्र का औचित्य-चिंतन, औचित्य: महत्व एवं अंग	05

* संदर्भ ग्रंथः

1.विश्व साहित्यशास्त्र - सं. डॉ. नगेंद्र नागरी प्रचारिणी सभा, वारावणी,

2. संस्कृत साहित्य का इतिहास- सेठ कन्हैयालाल पोद्दार, नागरी प्रचारिणी सभा, वारावणी,

3. रस सिध्दांत : डॉ. नगेंद्र नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली

4. भारतीय काव्य शास्त्र : विश्वंभरनाथ उपाध्याय वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5. भारतीय काव्यशास्त्र: तारकनाथ बाली वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

6. भारतीय काव्यशास्त्र : डॉ योगेंद्र प्रताप सिंह,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

7.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिध्दांत : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

भक्तिकालीन काव्य

Course Code No.: HIN-M-103	No. of Credits: 04	Semester: I
Course Title:	भक्तिकालीन काव्य	

* **उद्देश्य :-**

1. भक्तिकालीन कविता की पृष्ठभूमि का अध्ययन

2.सगुण - निर्गुण काव्यधारा की विशेषताओं का अध्ययन

3.भारतीय संस्कृति के उत्थान में भक्तिकाव्य के योगदान का अध्ययन

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1.व्याख्यान पद्धति

2.शिक्षक- छात्र संवाद पद्धति

3.संगोष्ठी - चर्चासत्रों का आयोजन

4.विशेषज्ञों के व्याख्यान

* **पाठयांशः-**	**तासिकाएँ**
1. भक्तिकालीन काव्य की पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, सगुण व निर्गुण की अवधारणा	05
2. कबीर : परिचय, साहित्य, भक्ति भावना, विद्रोह, समाज दर्शन, काव्यकला	10
3.सूरदास : परिचय, साहित्य, भक्ति भावना, वियोग, शृंगार, वात्सल्य, काव्यकला	10
4.तुलसी: परिचय, साहित्य, समन्वय, लोकमंगल, आदर्श की स्थापना, मर्यादा, सामाजिक दृष्टि, काव्यकला	10
5.रैदास : परिचय, भक्ति, बेगमपुर की अवधारणा, समता- बंधुत्व- प्रेम, विषमता- विरोध	05
6.मीराँ : परिचय, प्रेम, भक्तिभावना, अध्यात्म, काव्यकला	10
7.रहीम : परिचय, साहित्य, भक्ति, नीति, काव्यकला	05
8.तुकाराम : परिचय, साहित्य, भक्ति, विद्रोह, समाज-दर्शन	05

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **संदर्भ ग्रंथ :**

1.कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, दिल्ली -चयनित पद

2. भ्रमरगीत: सं. रामचंद्र शुक्ल : लोकभारती प्रकाशन, -चयनित पद

3.रामचरित मानस : तुलसीदास : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद -चयनित अंश

4. रैदास - मेरे राम का रंग मजीठ है : सदानंद शाही, लोकायत प्रकाशन, वाराणसी, चयनित पद

5. मीराँबाई की संपूर्ण पदावली : लोकभारती प्रकाशन, वाराणसी सं. रामकिशोर शर्मा और सुजीतकुमार शर्मा, चयनित पद

6. रहीम- रहीम ग्रंथावली : संपादक विद्यानिवास मिश्र, गोविंद रंजनीश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, चयनित दोहे

7. तुकाराम- संत तुकाराम की हिंदी पदावली - डॉ. रणजीत जाधव, शैलजा प्रकाशन कानपुर, चयनित पद

* **संदर्भ ग्रंथः-**

1. भक्तिकाव्य यात्रा: डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. कबीर, सूर, तुलसी : डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. सूरदास: आ. रामचंद्र शुक्ल- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. गोस्वामी तुलसीदास: आ. रामचंद्र शुक्ल- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. तुलसीदास : डॉ. रामचंद्र तिवारी - वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
6. भक्ति आंदोलन का इतिहास और संस्कृति : डॉ. कुँवरपाल सिंह- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कबीर और भारतीय संत साहित्य : डॉ. रामचंद्र तिवारी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. भ्रमरगीत एक मूल्यांकन : हरिचंद्र शर्मा- विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन : देवेंद्र शर्मा, वचन देव कुमार
नेशनल पब्लिसिंग हाउस नई दिल्ली
10. रहीम ग्रन्थावली, सं. विद्यानिवास मिश्र, गोविन्द रजनीश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. संत काव्य के क्षितिज :कबीर और तुकाराम-डॉ. संगीता चित्रकोटी, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली

पटकथा लेखन

Course Code No.: HIN-A-104	No. of Credits: 02	Semester: I
Course Title:	पटकथा लेखन	

* **उद्देश्य :-**

1. हिंदी साहित्य के छात्रों को रोजगारभिमुख शिक्षा देना ।

2.युवाओं की सृजनात्मक शक्ति को उत्तेजित करना ।

3. आधुनिक युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए छात्रों के नई तकनीकी से परिचित कराना।

4.टी.वी. सिनेमा के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए छात्रों के प्रेरित करना ।

5.छात्रों को कौशल विकास की शिक्षा प्रदान करना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला / स्वाध्याय
4. पत्र-पत्रिका के कार्यालयों से भेंट-यात्रा

* **पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
प्रथम इकाई 1. पटकथा की अवधारणा और स्वरुप पटकथा लेखन अर्थ, परिभाषा पटकथा लेखन की आवश्यकता और महत्व पटकथा लेखन के प्रकार और व्याप्ति	05
2. पटकथा के अंग कथा पटकथा संवाद	05
3.पटकथा लेखन की प्रक्रिया कथावस्तु या विषयावस्तु- केंद्रीय संकल्पना पात्रों की चयन - स्वभाव, जीवन शैली, खुबियाँ/ खामियाँ प्लॉट बनाना - पात्रों का परिचय और उनका विकास, ड्राफ्ट बनाना- इनडोअर/आऊटडोर/ समय/ स्थान	05
4.द्वितीय इकाई 1. पटकथा लेखन : व्यावहारिक कार्य : फिल्म के लिए पटकथा लेखन शॉर्ट फिल्म के लिए पटकथा लेखन टी.वी. चैनलों के लिए धारावाहिक लेखन	05
5.तृतीय इकाई **1.** कथा और पटकथा	05

	कहानी का चयन और पटकथा अंकों के आधार पर विभाजन दृश्यों का विभाजन पात्रों का चयन और विकास संवाद योजना द्वंद एव चरम उत्कर्ष / समापन	
	6.चतुर्थ इकाई 1. पटकथा के उपादान मोंताज सीरीज ऑफ शॉट्स फलैश बैक फलैश फॉरवर्ड मास्टर सीन शॉट बाईट् शॉट इंटर कट	05
*	**टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय** **1.** शॉर्ट फिल्म के लिए पटकथा का लेखन	
*	**संदर्भ ग्रंथः-** **1.** पटकथा लेखन: एक परिचय- मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2. कथा-पटकथा- मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 3. पटकथा लेखन- कुलदीप सिन्हा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 4. पटकथा लेखन :फीचर फिल्म - उमेश राठौर, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 5. हिंदी में पटकथा लेखन- जाकिर अली रजनीश, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली 6. मंजरनामा- गुलज़ार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली	

आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

Course Code No.: HIN- M -105	No. of Credits: 04	Semester: II
Course Title:	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	

* **उद्देश्य :**

1. अधुनिक हिंदी साहित्य की परंपरा का अध्ययन ।
2. इतिहास- बोध का अध्ययन ।
3. ऐतिहासिक आलोचना का अध्ययन ।
4. साहित्य और युगबोध के अंतरसंबंधो का अध्ययन

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान
2. दृक श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय

* **पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
1. आधुनिककाल पुष्ठभूमि, भारतेंदु तथा महावीर प्रसाद द्विवेदी युगीन काव्य : प्रतिनिधि रचनाकार : भारतेंदु, अंबिकादत्त व्यास, आयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔंध, मैथिलीशरण गुप्त	10
2. स्वच्छंतदतावादी कविता : पृष्ठभूमि, छायावादी काव्य, राष्ट्रीय- सांस्कृतिक काव्यधारा, हालावादी काव्यधारा, प्रतिनिधिकवि: प्रसाद, पंत निराला, महोदवी, बालकृष्ण शर्मा नवीन, दिनकर, बच्चन	10
3. प्रगतिवादी - प्रयोगवादी तथा नयी कविता : पृष्ठभूमि, प्रवृतियाँ / प्रतिनिधि कवि- केदारनाथ अग्रवाल, नागर्जून, अज्ञेय, भारती, मुक्तिबोध रघुवीर सहाय, शमशेर, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना	10
4.साठोत्तरी तथा समकालीन कविता : पृष्ठभूमि प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि कवि : धुमिल, केदारनाथ सिंह, राजेश जोशी, उदय प्रकाश	10
5. गद्य विद्या का विकास : कहानी, उपन्यास, नाटक, तथा निबंध, ललित निबंध	10
6. गद्य विधा का विकास : जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य	10

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **संदर्भ ग्रंथः-**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास- सं. नगेंद्र मयुर पेपर बैक्स, नोएडा
2. हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ. माधव सोनटक्के, विकास प्रकाशन, कानपुर
3. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. रणसुभे, विकास प्रकाशन, कानपुर दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का दुसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. आधुनिक हिंदी काव्य का इतिहास- डॉ. संजय राठोड, अतुल प्रकाशन, कानपुर

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

Course Code No.: HIN-M-106	No. of Credits: 04	Semester: II
Course Title:	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र	

* **उद्देश्य :-**

1. पाश्चात्य साहितय चिंतन का परिचय
2. अद्यतन आलोचना दृष्टि का अध्ययन
3. साहित्य सृजन, आस्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान
2. गोष्ठी, परिचर्चा तथा स्वाध्याय
3. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
4. अतिथ विद्वानों के व्याख्यान

*	**पाठयांशः-**	**तासिकाएँ**
1.	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का विकास	02
2.	प्लेटो : साहित्य सिध्दांत, : अनुकरण सिध्दांत	07
3.	अरस्तू के साहित्य **सिध्दांत** अनूकरण सिध्दांत, त्रासदी सिध्दांत	07
4.	**लौंजाइनस का काव्य सिध्दांत** उदात्त : तात्पर्य, महत्व, अवरोधक तत्व	07
5.	**विलियम वर्डस्वर्थ के काव्य विचार** काव्य प्रयोजन, काव्य विषय, काव्य- भाषा	05
6.	**कॉलरिज के काव्य-विचार** कल्पना सिध्दांत, ललित कल्पना	05
7.	**टी. एस इलियट** इलियट का क्लासिकवाद परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा निवैयक्तिकता का सिध्दांत	10
8.	**आई.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ,** संवगों का सन्तुलन, व्यावहारिक आलोचना	07
9.	सिध्दांत और वाद स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकता, उपनिवेशवाद, नव उपनिवेशवाद, नवबाजारवाद	10

* **संदर्भ ग्रंथः**

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिध्दांत और वाद डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय, प्रकाशन वाराणसी

2.पाश्चात्य काव्यशास्त्र- डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा

3.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र: तुलनात्मक अध्ययन- डॉ. बच्चन सिंह: हरियाणा अकादमी पंचकुला

4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. विजयपाल सिंह जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद

5.काव्यशास्त्र तथा साहित्यलोचन : डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपूर

6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा : डॉ. तेजपाल चौधरी विकास प्रकाशन, कानपूर

7.पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अनुवाद संदर्भ डॉ. सत्यदेव मिश्र,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांत : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

9.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य - सिध्दांत : डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

रीतिकालीन काव्य

Course Code No.: HIN-M-107	No. of Credits: 04	Semester: II
Course Title:	रीतिकालीन काव्य	

* **उद्देश्य :-**

1. रीतिकालीन कविता की पृष्ठिभूमि का अध्ययन दरबारी संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में

2. रीतिकाव्य का अध्ययन

3. रीतिकाव्य की विविध धाराओं का अध्ययन

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान पद्धति

2. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

3. संगोष्ठी, चर्चासत्रों का आयोजन

4. विशेषज्ञों के व्याख्यान

* **पाठयांश:-**	तासिकाएँ
1. रीतिकालीन काव्य : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, काव्यधाराएँ	15
2. बिहारी : परिचय, सौंदर्य भावना, रीति-नीति-भक्ति प्रसंगोद्भावना, शिल्प	15
3.भूषण : परिचय, राष्ट्रीयता, देशभक्ति, वीररस, युग बोध	15
4 घनानंद- साहित्य, विरह भावना, प्रेम-व्यंजना स्वच्छंद योजना	15

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **पाठयपुस्तकें**

1. बिहारी रत्नाकर - जगन्नाथदास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, चयनित पचास दोहे

2. संक्षिप्त भूषण : - संपा भगवानदास तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

चयनित पद -25

3.घनानंद कविता - सं. लक्ष्मणदत्त गौतम, अशोक प्रकाशन, दिल्ली, चयनित कवित्त

* **संदर्भ ग्रंथः-**

1. बिहारी का नया मूल्यांकन : डॉ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. बिहारी सतसई : सांस्कृतिक - सामाजिक अध्ययन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. घनानंद का काव्य : डॉ. रामदेव शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भूषण : राजमल बोरा, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, इलाहाबाद
5. घनानंदः एक अध्ययन - रामप्रसाद - भारतीय ग्रंथ निकेतन, दिल्ली
6. बिहारी : व्यक्तित्व एवं जीवन दर्शन : रमेशचंद्र- नेशनल पब्लिसिंग हाउस, इलाहाबाद
7. महाकवि घनानंद - डॉ. राज बुध्दिराजा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
8. भूषण ग्रंथावली- सं. विजयपाल सिंह, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

विज्ञापन लेखन

Course Code No.: HIN-A-108	No. of Credits: 02	Semester: II
Course Title:	विज्ञापन लेखन	

उद्देश्य :-

1. विज्ञापन लेखन के अध्ययन से विदयार्थी रचनात्मकता एवं भाषा प्रयोग के कौशल को आत्मसात करेंगे।
2. व्याावसायिक विज्ञापनों की रचन प्रक्रिया और प्रविधि को समझेंगे।
3. विभिन्न माध्यमों के विज्ञापनो के लेखन से परिचित होंगे।
4. विज्ञापन लेखन की भाषागत संरचना को समझेंगे।
5. विज्ञापन निर्माण द्वारा स्वंय रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई		
I	• विज्ञापन का स्वरूप एवं महत्त्व • विज्ञापन की भाषा: संरचना एवं विशेषताएँ • विज्ञापन का वर्गीकरण या भेद • विज्ञापन निर्माण की प्रविधि : प्रारूप - निष्पादन, अभिकल्पना (डिजाईनिंग) और अभिविन्यास (ले-आउट)	15
II	• विज्ञापन माध्यम : रचनात्मक प्रस्तुति • मुद्रित माध्यम : समाचार पत्र, पत्रिकाएँ • श्रव्य माध्यम : रेडियो, एफ.एम.रेडियो, मुनादी। • दृश्य-श्रव्य माध्यम : टी.वी. फिल्म, इंटरनेट,मोबाईल । • विज्ञापन : कानून और आचार संहिता ।	15

* **संदर्भ ग्रंथ -**

1. विज्ञापन डॉट कॉम, रेखा सेठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी विज्ञापन : संरचना और प्रभाव, सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. विज्ञापन कला, मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. टेलीविजन: चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ, गौरीशंकर रैणा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. विश्व बाजार में हिंदी, महीपाल सिंह/ देवेद्रं मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. विज्ञापन , बाजार और हिंदी, कैलाश नाथ पाण्डेय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. विज्ञापन की दुनिया, कुमुद शर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

HIN-M-109 भारतीय साहित्य-I

Course Code No.: HIN-M-109	No. of Credits: 04	Semester: III
Course Title:	भारतीय साहित्य-I	

* **उद्देश्य :**

1.भारतीय साहित्य के स्वरुप को समझना ।
2.भारतीय भाषाओं के साहित्य का अध्ययन करना ।
3.भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति को समझना ।
4छात्रों को भारतीय साहित्यकारों का परिचय कराना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान एवं चर्चा
2. दृक श्राव्य- माध्यम
3. स्वाध्याय

* **पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
1.भारतीय साहित्य का स्वरुप, भारतीय साहितय की विशेषताएँ, भारतीय साहित्य के आधारभूत तत्व, भारतीय साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता	10
2.मराठी कविता का विकास	10
3.युग-युग सेतू ही : संवेदना एवं शिल्प	20
4.कन्नड नाटक की विकासयात्रा	
5.महामाई (नाटक):संवेदना एवं शिल्प	20

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **पाठयपुस्तकें**

1. युग-युग से तू ही (कविता)- अजय कांडर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. महामाई (नाटक)- चंद्रशेखर कंबार, भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली

* **संदर्भ ग्रंथः-**

1. भारतीय साहित्य- डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य- रामछबीला त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. मराठी साहित्य परिदृश्य- चंद्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कन्नड साहित्य का इतिहास : रं. श्री. मुंगडी, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
5. हिंदी-मराठी कविता के मीलस्तंभ- डॉ. सुधाकर शेंडगे, विकास प्रकाशन, कानपुर
6. हिंदी और कन्नड के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. हेब्बरी, साहित्य रत्नालय, कानपुर

भाषा विज्ञान

Course Code No.: HIN-M-110	No. of Credits: 04	Semester: III
Course Title:	भाषा विज्ञान	

* **उद्देश्य :-**

1 भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन करना।

2. भाषा -अध्ययन की प्रक्रिया का अध्ययन।

3. भाषा- अध्ययन के ऐतिहासिक परिदृश्य का अध्ययन।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग ।
3. भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग ।
4. स्वाध्याय ।

* **पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
* 1 भाषा: स्वरुप और भेद अ) भाषा: परिभाषा एवं अभिलण आ) भाषा- व्यवस्था और भाषा - व्यवहार इ) भाषा की प्रकृति एवं विशेषताएँ ई) भाषा और बोली	10
* 2. भाषा विज्ञान : अ) भाषा विज्ञान : ताप्तर्य एवं परिभाषा आ) भाषा विज्ञान का अध्ययन- क्षेत्र इ) भाषा विज्ञान के अध्ययन की पध्दतियाँ : एककालिक, बहुकालिक, तुलनात्मक, सर्वेक्षण, पुनर्निमाण पध्दति ई) भाषा- विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता उ) भाषा- विज्ञान का अन्य शास्त्रों से संबंध - भाषा विज्ञान और व्याकरण, भाषा- विज्ञान और साहित्य, भाषा - विज्ञान और मनोविज्ञान, भाषा - विज्ञान और शरीर विज्ञान, भाषा - विज्ञान और इतिहास, भाषा - विज्ञान और भूगोल, भाषा - विज्ञान और सामाजिक विज्ञान	10
* **3.** स्वन और स्वनिम विज्ञान अ) स्वन विज्ञान का स्वरुप आ) वागवयव और उनके कार्य इ) स्वन की अवधारणा और वर्गीकरण ई) स्वन गुण उ) स्वनिम : स्वरुप एवं भेद	10

*	**4.** रुप तथा रुपिम विज्ञान अ) रुप-विज्ञान का स्वरुप आ) शब्द और रुप इ) अर्थतत्व और संबंध तत्व ई) संबंध तत्व के प्रकार उ) रुपिम की अवधारणा एवं भेद ऊ) रुप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण	10
*	**5.** वाक्य तथा प्रोक्ति विज्ञान अ) वाक्य-विज्ञान का स्वरुप आ) वाक्य की अवधारणा : अभिहितान्यवाद, अन्विताभिदानवाद इ) वाक्य की आवश्कता ई) वाक्य के अंग उ) वाक्य के भेद ऊ) वाक्य परिवर्तन : दिशाएँ एवं कारण ए) प्रोक्ति- विज्ञान की अवधारणा	10
*	**6.** अर्थ- विज्ञान अ) अर्थ -विज्ञान का स्वरुप आ) अर्थ की अवधारणा : भारतीय, पाश्चात्य इ) शब्द और अर्थ का संबंध ई) अर्थ विकास की दिशाएँ एवं कारण उ) बौध्दिक नियम	10
*	**संदर्भ ग्रंथ :** **1.** भाषा विज्ञान डॉ. रमेश रावत: पंचशील प्रकाशन, जयपुर 2. भाषा विज्ञान : हिंदी भाषा और लिपि रामकिशोर त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 3. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर 4. भाषा विज्ञान भूमिका देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 5. भाषा और भाषा विज्ञान डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर 6. भाषा विज्ञान डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 7. भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम और हिंदी, डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर 8. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी	

आधुनिक कविता (स्वतंत्रतापूर्व)

Course Code No.: HIN-M-111	No. of Credits: 04	Semester: III
Course Title:	आधुनिक कविता (स्वतंत्रतापूर्व)	

*** उद्देश्य :-**

1.स्वतंत्रतापूर्व हिंदी कविता की पृष्ठभूमि को समझना ।
2.स्वतंत्रतापूर्व बहुचर्चित कवियों से परिचय पाना ।
3.स्वतंत्रतापूर्व कविता के राष्ट्रीय, छायावादी और प्रगतिवादी स्वर को समझना ।
4.स्वतंत्रतापूर्व कवियों की कविताओं का मूल्यांकन करना ।

*** अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान एवं परिचर्चा
2. दृक श्राव्य- माध्यमों का प्रयोग
3.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

*** पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
1.स्वतंत्रतापूर्व कविता की पृष्ठभूमि	05
2.स्वतंत्रतापूर्व आधुनिक हिंदी कविता की विकासयात्रा	05
3.किसान: संवेदना एवं शिल्प	20
4. पाठयक्रम में समाविष्ठ कवि एवं कविताएँ : आयोध्यासिंह उपाध्याय : फूल और कांटा, मीठी बोली सुभद्राकुमारी चौहान : झाँसी की राणी, वीरों का वसंत माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, प्यारे भारत देश रामधारीसिंह दिनकर : सिंहासन खाली करो की जनता आती है, बालीका से वधू जयशंकर प्रसाद : आँसू, ले चल वहाँ भुलावा देकर सुमित्रानंदन पंत: ताज, भारत माता सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : जागो फिर एक बार, तोडती पत्थर महादेवी वर्मा : मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, मैं नीर भरी दुख की बदली हरिवंशराय बच्चन: प्याला, शहीद की माँ	30

*** टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

*** संदर्भ ग्रंथ:-**

1.हिंदी कविता :अतीत और वर्तमान- डॉ. मॅनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2.समकालीन कविता के बारे में - डॉ. नरेंद्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. समकालीन हिंदी कविता - डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कविता की जमीन और जमीन की कविता- डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी कविता में विचार- डॉ. बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आधुनिक कविता का पुनर्पाठ-डॉ. करुणाशंकर उपाध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अशुध्दि शोधन एवं मुद्रित शोधन

Course Code No.: HIN-A-112	No. of Credits: 02	Semester: III
Course Title:	अशुध्दि शोधन एवं मुद्रित शोधन	

* **उद्देश्य :-**

1. कार्यालयीन कामकाज में हिंदी के प्रयोग को समझना।
2. सूचना प्रौद्योगिकी में प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग को समझना।
3. वाणिज्य या व्यापार के क्षेत्र में छात्र हिंदी भाषा-कौशल को प्राप्त करेंगे।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला / स्वाध्याय
4. पत्र-पत्रिका के कार्यालयों से भेंट-यात्रा

* **पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
* 1. हिंदी की मानक वर्तनी	07
* 2. अशुद्धि : तात्पर्य एवं भेद भेद-शब्दगत अशुद्धि वाक्यगत अशुद्धि	07
* **3.** मुद्रित शोधन- अर्थ और प्रक्रिया	07
* **4.** मुद्रित शोधन के चिन्ह एवं नियमावली	09

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **संदर्भ ग्रंथः**

1 शुध्द हिंदी: कैसे बोले, कैसे लिखें - पृथ्वीनाथ पाण्डेय,सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली

2.व्यावसायिक हिंदी, राजेंद्र कुमार पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

3.कार्यालयी हिंदी, डॉ. कैलाशनाथ पांडेय, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

4.प्रयोजनमूलक हिंदी: सिध्दान्त और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

5.प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

6. .कार्यालयी हिंदी, डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

भारतीय साहित्य-II

Course Code No.: HIN-M-113	No. of Credits: 04	Semester: IV
Course Title:	भारतीय साहित्य-II	

*** उद्देश्य :**

1. भारतीय साहित्य की संकल्पना को समझना ।
2. भारतीय भाषाओं के साहित्य का अध्ययन करना ।
3. भारतीय साहित्य के माध्यम से भारतीय मूल्यों को संप्रेषित करना ।
4. भारतीय भाषाओं के प्रतिनिधि साहित्यकारों का अध्ययन करना ।

*** अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान एवं चर्चा
2. दृक श्राव्य- माध्यम
3. स्वाध्याय

*** पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
1.भारतीय साहित्य में अनुवाद का महत्व, भारतीय साहित्य और तुलनात्मक साहित्य, तुलनात्मक अध्ययन का महत्व	10
2.पंजाबी साहित्य की विकास यात्रा	05
3.कोरे कागज: संवेदना एवं शिल्प	20
4.बांगला साहित्य का विकास	05
5.रवीद्रनाथ टैगोर की सर्वश्रेष्ठ कहानियां : संवेदना एवं शिल्प	20

*** टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

*** पाठयपुस्तकें**

1. कोरे कागज: अमृता प्रीतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. रवीद्रनाथ टैगोर की सर्वश्रेष्ठ कहानियां, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

*** संदर्भ ग्रंथः**

1. भारतीय साहित्य- डॉ. मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय साहित्य- डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय, ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर
3. भारतीय साहित्य की पहचान - सं. सियाराम तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. तुलनात्मक साहित्य : सैध्दांतिक परिप्रेक्ष्य- सं. हनुमानप्रसाद शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय साहित्य: स्थापना और प्रस्तावनाएँ -के. सच्चिदानंद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भारतीय तुलनात्मक साहित्य- इंद्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

हिंदी भाषा का इतिहास

Course Code No.: HIN-M-114	No. of Credits: 04	Semester: IV
Course Title:	हिंदी भाषा का इतिहास	

* **उद्देश्य :-**

1. हिंदी भाषा का संरचनात्मक अध्ययन ।
2. हिंदी भाषा के विकासक्रम का अध्ययन ।
3. हिंदी की बोलियों का अध्ययन ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय
4. अध्ययन -यात्रा

* **पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
1. संसार की भाषाओं का वर्गीकरण अ)संसार के भाषा परिवार : सामान्य परिचय आ) भारत वर्ष के भाषा परिवार : सामान्य परिचय	10
2. हिंदी उद्‌भव और विकास अ) भारतीय आर्यभाषा : विकासात्मक परिचय आ) हिंदी उद्‌भव और विकास	10
3. हिंदी का भौगोलिक विस्तार अ) हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ आ) पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ इ) पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ ई) राजस्थानी हिंदी और उसकी बोलियाँ उ) बिहारी हिंदी और उसकी बोलियाँ ऊ) पहाडी हिंदी और उसकी बोलियाँ	10
4. हिंदी भाषा की संरचना अ) हिंदी की स्वनिम व्यवस्था : खंडय तथा खण्डेतर आ) हिंदी की शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समास इ) हिंदी की रुप - रचना : लिंग, वचन, कारक ई) हिंदी की वाक्य रचना : पदक्रम और अन्वय	10
5. हिंदी की शब्द संपदा अ) तत्सम आ) तद्‌भव	10

	इ) देशज ई) विदेशी उ) संकर	
	6. देवनागरी लिपि अ) लिपि : तात्पर्य एवं स्वरुप आ) देवनागरी लिपि : उद्‌भव और विकास इ) देवनागरी लिपि : वैज्ञानिकता ई) देवनागरी लिपि : दोष एवं त्रुटियाँ उ) देवनागरी लिपि में सुधार के प्रयास ऊ) संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि ए) मानकीकरण और हिंदी	10
*	**टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**	
*	**संदर्भ ग्रंथः** 1.हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - डॉ. हेतु भारद्वाज/ डॉ. रमेश राऊत, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 3. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 4. हिंदी उद्‌भव, विकास और रुप - हरदेव बाहरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 5. हिंदी भाषा की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार, नई दिल्ली 6. हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास - प्रो. सत्यनारायण त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नई दिल्ली 7. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्या प्रकाशन, कानपुर	

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता

Course Code No.: HIN-M-115	No. of Credits: 04	Semester: IV
Course Title:	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता	

* **उद्देश्य :**

1.स्वतंत्र्योत्तर हिंदी कविता की पृष्ठभूमि को समझना ।
2. स्वतंत्र्योत्तर बहुचर्चित कवियों से परिचय पाना ।
3. स्वतंत्र्योत्तर हिंदी कविता के आंदोलनों को समझना ।
4. स्वतंत्र्योत्तर कवियों की कविताओं का मूल्यांकन करना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान एवं परिचर्चा
2. दृक श्राव्य- माध्यमों का प्रयोग
3.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

* **पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
1. स्वतंत्र्योत्तर कविता की पूष्ठभूमि	05
2. स्वतंत्र्योत्तर आधुनिक हिंदी कविता की विकासयात्रा	05
3.अंधा युंग: संवदेना एवं शिल्प	20
4. पाठयक्रम में समाविष्ठ कवि एवं कविताएँ : गजानन माधव मुक्तिबोध : ब्रम्हराक्षस, जन-जन का चेहरा नागार्जुन : प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद भवानी प्रसाद मिश्र: गीतफरोश, सन्नाटा दुष्यंतकुमार : इस नदी की धार में, हो गई है पीर पर्वत-सी धूमिल : मोचीराम, प्रोढ शिक्षा केदारनाथ सिंह: धानों का गीत, जाना अरुण कमल: उम्मीद, पुराना सवाल ओमप्रकाश वाल्मीकी: बस्स बहुत हो चुका, ठाकूर का कुआँ अनामीका : स्त्रीयाँ, बेजगह निर्मला पुतुल: उतनी दूर मत ब्याहना बाबा, मै चाहती हूँ	30

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **संदर्भ ग्रंथः-**

1. अंधा युग : पाठ और प्रदर्शन, जयदेव तनेजा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2.कविता और समय-डॉ. अरुण कमल,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

3.समकालीन हिंदी कविता - डॉ. ए. अरविंदाक्षण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4.आधुनिक कविता यात्रा - डॉ. रामस्वरुप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी काव्य का इतिहास- डॉ. संजय राठोड, अतुल प्रकाशन, कानपुर
6. साठोत्तरी हिंदी कविता में जनवादी चेतना- डॉ. नरेंद्र सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. नई सदी की कविता- डॉ. गणेश पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. साठोत्तरी हिंदी कविता में लोकसौंदर्य- डॉ. प्रकाश शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

उपन्यास साहित्य

Course Code No.: HIN-E-116	No. of Credits: 04	Semester: I
Course Title:	उपन्यास साहित्य	

* **उद्देश्य :-**

1. हिंदी साहित्य में उपन्यास विधा का परिचय प्राप्त करावाना ।
2. मानवीय जीवन का विस्तृत फलक प्रस्तुत करना ।
3. सामाजिक यथार्थ का परिचय देना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान
2. दृक- श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

* **पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
1. हिंदी उपन्यास : उद्भव, विकास एवं तत्व	15
2. प्रत्यंचा - संजीव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली	15
3 मोक्षवण- भगवानदास मोरवाल	15
4. तीसरी ताली, प्रदीप सौरभ,	15

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **पाठयपुस्तकें**

1. प्रत्यंचा - संजीव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मोक्षवण- भगवानदास मोरवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तीसरी ताली, प्रदीप सौरभ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

* **संदर्भ ग्रंथः**

1. हिंदी के श्रेष्ठ उपन्यास और उपन्यासकार- डॉ. द्वारिका सक्सेना- विश्वभारती पब्लिकेशन, दिल्ली
2. उपन्यास: स्थिति और गति- चंद्रकांत बांदिवडेकर- वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी उपन्यास : सिध्दात और समीक्षा- डॉ. मख्खलाल शर्मा, प्रभात प्रकाशन दिल्ली
4. हिंदी उपन्यास इतिहास- डॉ. गोपालराय राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

नाटक तथा एकांकी साहित्य

Course Code No.: HIN-E-117	No. of Credits: 04	Semester: I
Course Title:	नाटक तथा एकांकी साहित्य	

* **उद्देश्य :**

1. स्वातंत्र्योत्तर नाटक तथा एकांकी साहित्य एवं रंगमंच का अध्ययन
2. नाट्यास्वाद तथा नाट्यालोचन संस्कार का विकास

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान, / चर्चा
2. प्रकल्प लेखन
3. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

*	**पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
*	1. नाटक तथा एकांकी : विकासक्रम एवं तत्व	15
*	2. अभंग गाथा -नरेंद्र मोहन	15
*	3.आगरा बाज़ार- हबीब तनवीर	15
*	4. आठ एकांकी • औरंगजेब की आखिरी रात- रामकुमार वर्मा • लक्ष्मी का स्वागत- उपेंद्रनाथ अश्क • रीढ़ की हड्डी- जगदीश माथुर • संस्कार और भावना- विष्णु प्रभाकर • बहुत बड़ा सवाल- मोहन राकेश	15

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **पाठयपुस्तकें**

1. अभंग-गाथा नरेंद्र मोहन- किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली

2.आगरा बाजार: हबीब तनवीर : वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.

3. आठ एकांकी सं. देवेंद्रराज अंकुर

* **संदर्भ ग्रंथ:-**

1. भारतीय नाट्य परंपरा और रंगभूमि- डॉ. मदन मोहन भारव्दाज: नेशनल पब्लिसिंग हाउस, नई दिल्ली

2. बीसवी शती का हिंदी नाटक और रंगमंच- डॉ. गिरीश रस्तोगी: भारती ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

3. हिंदी नाटक आज तक- डॉ. वीणा गौतम: शब्दसेतु प्रकाशन, नई दिल्ली

4. रंग हबीब- डॉ. भारद्वाज भार्गव: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

व्यंग्य साहित्य

Course Code No.: HIN-E-118	No. of Credits: 04	Semester: I
Course Title:	व्यंग्य साहित्य	

* **उद्देश्य :-**

1. व्यंग्य विधा का परिचय कराना ।
2. हास्य और व्यंग्य के बीच का अंतर समझाना।
3. व्यंग्य के माध्यम से सामाजिक-राजनीतिक समस्याओं को समझना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग
3. व्यंग्य रुपांतरण

*	**पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
*	1. व्यंग्य विधा: सैद्धांतिक विवेचन, स्वरुप एवं विशेषताएँ	10
*	2. व्यंग्य विधा का विकासक्रम	10
*	3. दो व्यंग्य नाटक : संवेदना एवं शिल्प	20
*	4. ठिठुरता हुआ गणतंत्र : संवेदना एवं शिल्प	10
*	5. एक मंत्री स्वर्गलोक में : संवेदना एवं शिल्प	10

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **पाठयपुस्तकें**

1. दो व्यंग्य नाटक - शरद जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. ठिठुरता हुआ गणतंत्र - हरिशंकर परसाई, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. एक मंत्री स्वर्गलोक में - शंकर पुणतांबेकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

* **संदर्भ ग्रंथ:-**

1. देश के इस दौर में - विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार - डॉ. हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार - सुरेश कांत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी गद्य : इधर की उपलब्धियाँ- पुष्पपाल सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

लोक साहित्य

Course Code No.: HIN-E-119	No. of Credits: 04	Semester: I
Course Title:	लोक साहित्य	

उद्देश्य:-

१. छात्रों को भारतीय एवं प्रादेशिक स्तर के लोकसाहित्य से अवगत कराना।
२. लोकसंस्कृति एवं विभिन्न कलाओं का परिचय करवाना।
३. लोक कलाओं के माध्यम से विदयार्थी में कौशल विकसित करना।
४. विशेष क्षेत्र की जनजातियों के मौखिक एवं लिखित साहित्य से अवगत होना।
५. प्रादेशिक विशेष आंचल क्षेत्र की बोलियों का सर्वेक्षण करना।

इकाई		
I	• लोक साहित्य की संकल्पना और स्वरूप • लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता • लोक साहित्य और संस्कृति • लोक साहित्य का अन्य शास्त्रो एवं कलाओं से सम्बन्ध • लोक साहित्य वर्गीकरण की पध्दतियाँ • लोक साहित्य कला या विज्ञान	15
II	• लोकगीत : वाचिक और मुद्रित • लोकगीत की अवधारण एवं स्वरूप • लोकगीतों का वर्गीकरण - संस्कार गीत, व्रत गीत, श्रम गीत, ऋतु गीत, वैवाहिक गीत, नामकरण गीत, जातिगीत । • महाराष्ट्र विशेष अंचल क्षेत्र के होली गीत	15
III	• लोकनाटय का महत्व, प्रकार एवं प्रस्तुति, • लोककथा का स्वरूप एवं प्रमुख प्रकार • लोकगाथा का सामाजिक महत्त्व एवं प्रकार • लोकभाषा : लोक संभाषित कहावतें, मुहावरें, लोकोक्तियाँ और पहेलियाँ ।	15
IV	• लोक साहित्य संकलन का कार्य, प्रविधि और कठिनाईयाँ • लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ और समाधान • प्रमुख लोक साहित्य सेवी और उनका योगदान • स्थानीय विशेष भूभाग क्षेत्र की लोक-कलाओं, लोक-चित्र एवं शिल्प।	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. लोक साहित्य के स्वरुप का सैध्दांतिक विवेचन, डॉ. नारायण चौधरी, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
2. गोर बनजारा जन-जाति का इतिहास, प्रा. मोतिराज राठोड, विदया प्रकाशन, कानपुर
3. जिप्सी, एम. आदिनारायण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. लोकसाहत्य का अध्ययन, डॉ. त्रिलोचन पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. लोकसाहित्य की भूमिका, डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, प्रा. लि. इलाहाबाद
6. लोकसाहित्य विज्ञान, डॉ. सत्येंद्र, शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी, आगरा

कहानी साहित्य

Course Code No.: HIN-E-120	No. of Credits: 04	Semester: II
Course Title:	कहानी साहित्य	

* **उद्देश्य :-**

1. हिंदी कहानी साहित्य एवं विकासक्रम स्पष्ट करना ।
2. हिंदी के प्रमुख कहानीकारों परिचय कराना ।
3. कहानी विधा का तात्विक विवेचन एवं महत्व को विशद कराना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक श्रव्य माध्यमों का प्रयोग
3. नाट्य रुपांतरण

*	**पाठयांश :**	तासिकाएँ
	1. कहानी : उद्भव, विकास एवं तत्व	10
*	1. एक टोकरी भर मिट्टी- माधवरा सप्रे 2. उसने कहा था- चंद्रधर शर्मा - गुलेरी 3. पुस की रात मुंशी प्रेचचंद 4. आकाश दीप - जयशंकर प्रसाद 5. पंच लाईट- फणीश्वरनाथ रेणु 6. सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती 7. चीफ की दावत- भीष्म साहनी 8. राजा निरबंसिया - कमलेश्वर 9. परमात्मा का कुत्ता - मोहन राकेश 10. दोपहर का भोजन- अमरकान्त 11. जहाँ लक्ष्मी कैद है- राजेंद्र यादव 12. मुगलों ने सल्तनत बक्श दी - भगवती चरण वर्मा 13. महुए का पेड़ - मार्कण्डेय 14. जिंगदी और जोंक - अमरकान्त 15. गुल की बन्नो- धर्मवीर भारती 16. वापसी- उषा प्रियंवदा 17. दिल्ली कहाँ है महीप सिंह 18.आजादी झुठी है- रांगेय राघव 19. भोलाराम का जीव- हरिशंकर परसाई 20. करवा का वृत्त - यशपाल	30

कहानी संग्रह 1. कुच्ची का कानून- शिवमुर्ति - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली	20

* **संदर्भ ग्रंथः-**

1. हिंदी कहानी : संचरना और संवदेना - डॉ. साधना शहा वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी कहानी का विकास - डॉ. देवेश ठाकुर, संकल्प प्रकाशन, मुंबई
3. हिंदी कहानी का इतिहास- गोपालराय- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया - परमानन्द श्रीवास्तव- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5.हिंदी कहानी की बात- मार्कण्डेय- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कहानी का उत्तर समय : सृजन संदर्भ- पुष्पपाल सिंह- सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
7. समकालीन कहानी : नया परिप्रेक्ष्य, पुष्पपाल सिंह- सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली

जीवनी परक साहित्य

Course Code No.: HIN-E-121	No. of Credits: 04	Semester: II
Course Title:	जीवनी परक साहित्य	

* **उद्देश्य :**

1.हिंदी आत्मकथा साहित्य का परिचय ।
2.हिंदी जीवनी साहित्य का परिचय ।
3.संस्मरण - रेखाचित्र का परिचय ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान, चर्चा
2. दृक- श्राव्य माध्यमों का प्रयोग

* **पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
1.हिंदी आत्मकथा का परिचयात्मक अध्ययन	05
2.एक कहानी यह भी: संवदेना एवं शिल्प	15
3.हिंदी जीवनी साहित्य का विकास	05
4.प्रेमचंद घर में : संवदेना एवं शिल्प	15
5.संस्मरण- रेखाचित्र का परिचयात्मक अध्ययन	05
6.अतीत के चलचित्र : संवेदना एवं शिल्प	15

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **पाठयपुस्तकें**

1. एक कहानी यह भी - मन्नू भंडारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2.प्रेमचंद घर में- शिवरानी देवी, राजपाल अँड सन्स, नई दिल्ली
3.अतीत के चलचित्र - महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

* **संदर्भ ग्रंथ:**

1. हिंदी का आत्मकथात्मक साहित्य- डॉ. चंपा श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2.साहित्यिक विधाएँ: सैध्दांतिक पक्ष-डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3.आत्मकथा और उपन्यास- डॉ. ज्ञानेंद्रकुमार संतोष,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रवासी हिंदी साहित्य

Course Code No.: HIN-E-122	No. of Credits: 04	Semester: II
Course Title:	प्रवासी हिंदी साहित्य	

* **उद्देश्य :**

1.प्रवासी साहित्य के स्वरुप एवं विशेषताओं को समझना ।
2.छात्रों को हिंदी साहित्य का वैश्विक परिदृश्य समझाना ।
3.प्रवासी भारतीय साहित्य के माध्यम से भारतीय सभ्यता और संस्कृति को समझना ।
4. प्रवासी साहित्य को समझने की दृष्टि से छात्र अभीरुचि विकसीत करना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान, एवं परिचर्चा
2. दृक श्राव्य- माध्यमों का प्रयोग
3. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

* **पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
1.प्रवासी साहित्य की अवधारणा : स्वरुप एवं विशेषताएँ	05
2.प्रवासी हिंदी साहित्य का उद्भव एवं विकास	10
3.'छिन्नमूल' उपन्यास की संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन	15
4.देशांतर: संवेदना एवं शिल्प	15
5.गुलमोहर खौल उठा: संवेदना एवं शिल्प	15

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **पाठयपुस्तकें**

1. छिन्नमूल- पुष्पीता अवस्थी, अंतिका प्रकाशन, गाजीयाबाद, उत्तर प्रदेश
2.देशांतर (प्रवासी कहानियाँ)- सं. तेजेद्र शर्मा, साहित्य अकदमी,नई दिल्ली
3.गुलमोहर खौल उठा- अभिमन्यु अनत, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली

* **संदर्भ ग्रंथ:-**

1. प्रवासी लेखन: नई जमीन, नया आसमान- अनील जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी का प्रवासी साहित्य - डॉ. कमलकिशोर गोयंका, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रवासी हिंदी साहित्य और ब्रीटन- राकेश दुबे,- सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी का प्रवासी साहित्य - डॉ. कालीचरण स्नेही, आराधना ब्रदर्स, नई दिल्ली
5. विश्व हिंदी रचना- डॉ. कमलकिशोर गोयंका, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली

आलोचना

Course Code No.: HIN-E-123	No. of Credits: 04	Semester: II
Course Title:	आलोचना	

* **उद्देश्य :-**

1.साहित्य में आलोचना की भुमिका का महत्व प्रतिपादित करना ।
2.हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों में आलोचना की प्रवृत्तियों को रेखांकित करना ।
3.हिंदी आलोचना के विकास में प्रमुख आलोचकों के योगदान को स्पष्ट करना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1.व्याख्यान
2.दृक- श्राव्य साधनों का प्रयोग
3.गोष्ठी, चर्चा तथा स्वाध्याय
4.अतिथि विद्वानों के व्याख्यान

*	**पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
1.	आलोचना का अर्थ एवं परिभाषाएँ आलोचना से तात्पर्य आलोचना का अर्थ आलोचना की भारतीय विद्वानों द्वारा दी गई परिभाषाएँ आलोचना की पाश्चात्य विद्वानों द्वारा दी गई परिभाषाएँ	15
2.	आलोचना का विकासक्रम आलोचना का भारतीय साहित्य में विकास: आलोचना का पाश्चात्य साहित्य में विकास	10
3.	आलोचना के प्रकार सैध्दांतिक आलोचना: व्यावहारिक आलोचना : -व्याख्यात्मक आलोचना - रचनात्मक आलोचना -जीवनचरितात्मक आलोचना - ऐतिहासिक आलोचना - प्रभाववादी आलोचना -तुलनात्मक आलोचना -मार्क्सवादी आलोचना -मनोविश्लेषणावादी आलोचना	20
4.	हिंदी के प्रमुख आलोचना भारतेन्दु हरिचंद्र रामचंद्र शुक्ल महावीर प्रसाद द्विवेदी हजारीप्रसाद द्विवेदी नगेन्द्र रामविलास शर्मा नामवर सिंह	15

* टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय * पाठयपुस्तकें	

* संदर्भ ग्रंथः

1. हिंदी आलोचना का विकास-नन्दकिशोन नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आलोचना और विचारधारा- नामवर सिंह- रामकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3.हिंदी आलोचना : समकालीन परिदृश्य- कृष्ण दत्त पालीवाल- सामायिक प्रकाशन,नई दिल्ली
4.हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी- रामकमल प्रकाशन नई दिल्ली
5.आलोचना की संस्कृति- परमानंद श्रीवास्तव- सामायिक प्रकाशन,नई दिल्ली

प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Code No.: HIN-E-124	No. of Credits: 04	Semester: III
Course Title:	प्रयोजनमूलक हिंदी	

उद्देश्य :-

१. प्रयोजनमूलक हिंदी के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष को स्पष्ट करना।
२. कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को समझना।
३. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया से अवगत होना।
४. सूचना प्रौद्योगिकी में प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग को समझना।
५. वाणिज्य या व्यापार के क्षेत्र में छात्र हिंदी भाषा-कौशल को प्राप्त करेंगे।

इकाई		
I	**अ) हिंदी भाषा के विभिन्न रूप** • सर्जनात्मक भाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, प्रयोजनमूलक भाषा, अन्तर्राष्ट्रीय भाषा। **आ) प्रयोजनमूलक हिंदी : संकल्पना और अनुप्रयोग** • प्रयोजनमूलक हिंदी तात्पर्य एवं स्वरूप • प्रयोजनमूलक हिंदी की विशेषताएँ • प्रयोजनमूलक हिंदी के विकास के कारण • प्रयोजनमूलक हिंदी की शैलियाँ एवं प्रयुक्तियाँ • प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग-क्षेत्र • प्रयोजनमूलक हिंदी की समस्याएँ और समाधान	15
II	**प्रशासकिय या कार्यालयी हिंदी** • कार्यालय : अवधारणा एवं स्वरूप • कार्यालयी कार्य पध्दति • कार्यालयीन हिंदी : तात्पर्य एवं स्वरूप • कार्यालयी हिंदी की स्वरूपगत विशेषताएँ • ई- गव्हर्नर: अवधारणा और स्वरुप • कार्यालयी हिंदी : प्रयोग क्षेत्र क) टिप्पण लेखन ख) प्रारूपण लेखन ग) संक्षेपण लेखन घ) पल्लवन लेखन च) प्रतिवेदन लेखन • कार्यालयी पत्र-लेखन प्रविधि और विविध रूप	15
III	**परिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया एवं सिध्दांत** • पारिभाषिक शब्दावली : संकल्पना, संरचना एवं स्वरूप • पारिभाषिक शब्दावली निर्माण का इतिहास • पारिभाषिक शब्दावली का वर्गीकरण • पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत क) राष्ट्रीयतावादी ख) अन्तर्राष्ट्रीयतावादी	15

	ग) प्रयोगवादी या लोकवादी घ) समन्वयवादी • पारिभाषिक शब्दावली निर्धारण : समस्या और समाधान	
IV	**वाणिज्य - व्यापार और हिंदी** • वाणिज्य-व्यापार : तात्पर्य एवं स्वरूप • भारत मे व्यापार या वाणिज्य का इतिहास • व्यापार के प्रमुख प्रकार • ई-वाणिज्य की उपयोगिता • परिवहन के प्रमुख साधन • वाणिज्य-व्यापार हिंदी : प्रमुख कार्यक्षेत्र क) व्यावसायिक बैंक ख) बीम निगम ग) औदयोगिक उदयोग घ) कृषि-विपणन च) व्यावसायिक विज्ञापन • वाणिज्य-पत्र: लेखन विधि और विविध रूप • व्यापार कानून या प्रबंधन	15

सहायक ग्रंथः

1. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिध्दान्त और प्रयोग, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. विज्ञापन डॉट कॉम, डॉ. रेखा सेठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति और अनुवाद, डॉ. माधव सोनटक्के, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रशासनिक हिंदी: प्रयोग और संभावनाएँ, डॉ. प.प. आंडाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. व्यावसायिक हिंदी, राजेंद्र कुमार पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. कार्यालयी हिंदी, डॉ. कैलाशनाथ पांडेय, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
9. विश्व बाजार में हिंदी, महिपाल सिंह, देवेंद्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

हिंदी पत्रकारिता

Course Code No.: HIN-E-125	No. of Credits: 04	Semester: II
Course Title:	हिंदी पत्रकारिता	

*** उद्देश्य :-**

1. पत्रकारिता की कला का वैज्ञानिक अध्ययन
2. पत्रकारिता - सिध्दान्त का अध्ययन
3. पत्रकारिता के कौशल का विकास
4. हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम का अध्ययन

*** अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला / स्वाध्याय
4. पत्र-पत्रिका के कार्यालयों से भेंट-यात्रा

*** पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
* 1. पत्रकारिता : स्वरुप, उद्देश्य एवं प्रकार : अ) पत्रकारिता से तात्पर्य एवं परिभाषा आ) पत्रकारिता के आदर्श / उद्देश्य इ)पत्रकारिता के क्षेत्र एवं प्रकार	10
* 2. हिंदी पत्रकारिता : उद्भव और विकास अ) भारत में पत्रकारिता का उदय आ) हिंदी पत्रकारिता उद्भव इ)स्वातंत्रतापूर्व हिंदी पत्रकारिता ई) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता	10
* **3.** समाचार - पत्र प्रबंधन : अ) संपादकीय विभाग आ) विज्ञान - विभाग इ) मुद्रण- विभाग ई) वितरण- विभाग उ) प्रशासन- विभाग ऊ) वित्त व लेखा - विभाग	10
* **4.** प्रेस कानून और आचार संहिता : अ) प्रमुख प्रेस कानून आ) पत्रकारिता की आचार संहिता	10

* 5. पत्रकारिता के नये क्षितीज : अ) रेडियो पत्रकारिता आ) दूरदर्शन पत्रकारिता इ) इंटनेट पत्रकारिता	10
* 6. पत्रकारिता और अनुवाद : अ) पत्रकारिता और अनुवाद : स्वरुप एवं क्षेत्र आ) पत्रकारिता और अनुवाद : महत्व, समस्याएँ एवं समाधान	10
* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**	

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास : वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.
2. हिंदी पत्रकारिता : स्वरुप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे - रामकुमार वर्मा
3. पत्रकारिता : विविध विधाएँ : डॉ. राजकुमारी रानी, जयभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. समाचार पत्र का प्रबंधन : गुलाब कोठारी, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
5. पत्रकारिता कि नये परिप्रेक्ष्य : राजकिशोर, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली.
6. पत्रकारिता के सिध्दान्त : डॉ. रमेश त्रिपाठी, अशोक प्रकशन, नई दिल्ली.
7. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी / जितेंद्र गुप्त, शब्दकार, नई दिल्ली

भाषा शिक्षण

Course Code No.: HIN-E-126	No. of Credits: 04	Semester: III
Course Title:	भाषा शिक्षण	

* **उद्देश्य :-**

1. भाषा के ज्ञान से अवगत कराना ।
2. भाषा शिक्षण पध्दति को समझना।
3. भाषा के व्याकरणीक दृष्टिकोन को स्पष्ट करना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला / स्वाध्याय
4. पत्र-पत्रिका के कार्यालयों से भेंट-यात्रा

* **पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
1. हिंदी भाषा एवं शब्द भंडार - तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम प्रतीक भाषा, मिथकीय भाषा, मुक-बधिर भाषा, ब्रेल लिपि प्रशिक्षण भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर- प्रारंभिक कक्षाओं में उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिंदीत्तर भाषियों-विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा रुप में । भाषा विज्ञान के मूलाधार-व्याकरण बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुध्द वाक्य विन्यास वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास पर्यायवाची समानार्थक, विलोप, गूढ़ार्थवाची, समश्रुत अनेक शब्दों के लि एक शब्दयुग्म ।	30
2. देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्टय देवनागरी की आवश्यकता। वैज्ञानिकता, कम्प्युटरकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता हिंदी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण शैली विज्ञान - प्रारंभिक परिचय हिंदी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन हिंदी भाषा का भविष्य	30

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **संदर्भ ग्रंथः**

1.भाषा और भाषिकी - देवीशंकर द्विवेदी राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. .भाषा शिक्षण- डॉ.हनुमतराव पाटील, डॉ. सुधाकर शेंडगे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
3. .भाषा एवं भाषा शिक्षण - सं.रमाकांत अग्नीहोत्री,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

Course Code No.: HIN-E-127	No. of Credits: 04	Semester: III
Course Title:	अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य	

* **उद्देश्य :-**

1. मनुष्य जीवन का मनोरंजनात्मक विकासक्रम स्पष्ट करना ।
2. छात्रों का मनोरंजन और यथार्थ स्थिति से परिचित कराना ।
3. मनुष्य जीवन के शोध, बोध, नीति और कर्तव्य से परिचित कराना ।
4. सामाजिक जीवन की समस्याओं से परिचित होकर उसका उपाय ढूँढना।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान पध्दति
2. दृक श्रव्य माध्यमों का प्रयोग
3. नाट्य रुपांतरण

* **पाठयांश : हिंदी का विमर्श मूलक साहित्य : सैध्दांतिक विवेचन** **विमर्श मूलक कहानियाँ** **आत्मकथा** **उपन्यास**	तासिकाएँ **10**
* 1. विमर्शमूलक कहानियॉ 1. चमडे का अहाता- दीपक शर्मा 2. स्त्री सुबोधिनी - मन्नू भंडारी 3. दाग दिया सच- रमणिक गुप्ता, 4. अब नहीं नाचब- राम निहोर विमल 5. विकल्प- वाल्टर भेंगरा 'तरुण' 6. परती जमीन- पीटर पाल एक्का 7.परदा-यशपाल 8. ग्यारह सितंबर के बाद- अनवर सुहैल 9. इज्जत के रहबर- पद्मा शर्मा 10. कौन तार से बीनी चदरिया- अंजना वर्मा 11. उत्तरार्ध- सूर्यबाला 12. उसका आकाश- राजी सेठ 13. इदगाह - प्रेमचंद 14. महानगर की मैथिली- सुधा आरोडा	20
* 2. आत्मकथा अन्या से अनन्या - डॉ. प्रभा खेतान	15
* 3. उपन्यास धूणी तपे तीर- हरिराम मीणा	15

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **संदर्भ ग्रंथः-**

1. हिंदी साहित्य और अस्मिता मूलक विमर्श- किरण तिवारी- आनंद प्रकाशन, नयी दिल्ली-2022
2. वृध्दावस्था विमर्श और हिंदी कहानियाँ - शिवकुमार राजौरिया, अद्वैत प्रकाशन, नयी दिल्ली-2017
3.आदिवासी साहित्य विमर्श और अनुसंधान डॉ. भगवान गव्हाडे- ए.आर. पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
4. आदिवासी और हिंदी उपन्यास - गंगासहाय मीणा- नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आत्मकथा और स्त्री- रामाशंकर कुशवाहा- नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी बालसाहित्य और बाल विमर्श- सं. उषा यादव/ राजकिशोर सिंह- सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
7.थर्ड जेन्डर और साहित्य- डॉ. एम. फिरोज खान- विकास प्रकाशन, कानपुर
8. मुख्य धारा और दलित साहित्य- ओमप्रकाश वाल्मिकी, सामायिक प्रकाशन, नई दिल्ली
9. अन्या से अनन्या - डॉ. प्रभा खेतान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. धूणी तपे तीर- हरिराम मीणा- साहित्य उपक्रम, जयपुर

साहित्य और सिनेमा

Course Code No.: HIN-E-128	No. of Credits: 04	Semester: IV
Course Title:	साहित्य और सिनेमा	

उद्देश्य :-

1. सिनेमा के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष को स्पष्ट करना।
2. साहित्य और सिनेमा का अंतरसंबंध स्पष्ट करना ।
3. सिनेमा और समाज का संबंध स्पष्ट करना ।
4. सिनेमा से जुड़े साहित्यिक, सामाजिक, रोजगारपक पहलुओं पर प्रकाश डालना ।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

- छात्र-अध्यापक संवाद
- व्याख्यान पध्दति
- संगोष्ठी आयोजन, विशेषज्ञों के व्याख्यान
- दृक-श्रव्य माध्यमों का प्रयोग

* **पाठयांश :-**	**तासिकाएँ**
1. सिनेमा : इतिहास : स्वरुप एवं विशेषताएँ सिनेमा के सवा सौ साल	10
2. सिनेमा और साहित्य- परस्पर संबंध सिनेमा के तत्व साहित्य और सिनेमा : समानताएँ व विषमताएँ	10
3.कलात्मक सिनेमा और साहित्य कलात्मक सिनेमा का इतिहास कलात्मक सिनेमा : स्वरुप कलात्मक सिनेमा और साहित्य	10
4.व्यावसायिक सिनेमा व्यावसायिक सिनेमा का इतिहास व्यावसायिक सिनेमा : स्वरुप व्यावसायिक सिनेमा और साहित्य	10
5.साहित्यकारों का हिंदी सिनेमा को योगदान: प्रेमचंद्र, राही मासूम रज़ा, कमलेश्वर, नीरज, साहिर, नरेंद्र शर्मा, गुलजार	10
6.फिल्म समीक्षा : प्रक्रिया एवं प्रविधि	10

* **टयुटोरियल/ प्रकल्प/ स्वाध्याय**

* **संदर्भ ग्रंथः-**

1. हिंदी सिनेमा में बदलते यथार्थ की अभिव्यक्ति जवरीमल्ल पारख, अन्यय प्रकाशन, नयी दिल्ली

2. प्रतिरोध और सिनेमा- महेंद्र प्रजापति- नयी किताब प्रकाशन, नयी दिल्ली

3. सिनेमा का माया-दर्पण- दिलीप शाक्य- अतुल्य पब्लिकेशन, नयी दिल्ली

4.भारतीय सिनेमा इतिहास- अनिल भार्गव- सिने साहित्य प्रकाशन,जयपुर

5.गुजरे जमारे की यादगार फिल्में- जावेद हमीद- नयी किताब प्रकाशन, नयी दिल्ली

6. सिनेमा और समाज- विजय कुमार अग्रवाल- साहित्य प्रकशन, आगरा

अनुवाद विज्ञान

Course Code No.: HIN- E -129	No. of Credits: 04	Semester: IV
Course Title:	अनुवाद विज्ञान	

* **उद्देश्य :**

1. अनुवाद - प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन ।
2. अनुवाद - कौशल का विकास ।
3. रोजगारपरक कौशल का विकास ।
4. तुलनात्मक साहित्य अध्ययन की पृष्ठभूमि का विकास

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :**

1. व्याख्यान
2. दृक- श्राव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला
4. अतिथि विद्वानों के व्याख्यान
5. अनुवाद - अभ्यास / स्वाध्याय

* **पाठयांश :**	**तासिकाएँ**
1. अनुवाद - स्वरुप, भेद, उपयोगिता और प्रक्रिया अ) अनुवाद से तात्पर्य एवं परिभाषा आ) अनुवाद के भेद इ) अनुवाद की उपयोगिता ई) अनुवाद - प्रक्रिया उ) अनुवाद के साधन	10
2. अनुवाद का भाषा-वैज्ञानिक पक्ष अ) अनुवाद और ध्वनि विज्ञान आ) अनुवाद और वाक्य विज्ञान इ) अनुवाद और रुप विज्ञान ई) अनुवाद और अर्थ विज्ञान	10
3. कार्यालयी अनुवाद : स्वरुप और समस्याएँ अ) कार्यालयी अनुवाद : स्वरुप समस्याएँ आ) कार्यालयी अनुवाद : साधन और प्रक्रिया इ) कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ	10
4.वैज्ञानिक तथा तकनीकी अनुवाद : स्वरुप और समस्याएँ अ) वैज्ञानिक और तकनीकी साहित्य आ) वैज्ञानिक / तकनीकी साहित्य अनुवाद की समस्याएँ	10

5.मीडिया अनुवाद : स्वरुप और समस्याएँ अ) पत्रकारिता से संबध्द अनुवाद के आयाम, पत्रकारिता और अनुवाद आ) समाचार -अनुवाद : मुद्रित माध्यम, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन-समाचार के अनुवाद इ) विज्ञापनों के अनुवाद ई) दूरदर्शन में अनुवाद : क्षेत्र, स्वरुप और समस्याएँ	10
6. अनुवाद बनाम मशीनी अनुवाद अ) कम्प्युटर अनुवाद : अर्थ और घटक आ) कम्प्युटर अनुवाद की प्रक्रिया इ) कम्प्युटर अनुवाद और इंटरनेट ई) कम्प्युटर अनुवाद की समस्याएँ	10

* **संदर्भ ग्रंथः-**

1. अनुवाद सिध्दान्त की रुपरेखा : डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी / डॉ. गोस्वामी/गुलाटी शब्दाकार, 159 गुरु अंगदनगर (वैस्ट), नई दिल्ली
3. राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक अनुवाद की दिशाएँ : डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी/ जितेंद्र गुप्त, शब्दाकार, दिल्ली-92
5. अनुवाद विचार- डॉ. भारती गोरे, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अनुवाद का समाजशास्त्र : डॉ. सुर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन, दिल्ली
7. ई. अनुवाद हिंदी : डॉ. हरीशकुमार सेठी, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

कार्यालयीन हिंदी

Course Code No.: HIN-E-130	No. of Credits: 04	Semester: IV
Course Title:	: कार्यालयीन हिंदी	

उद्देश्य:-

१. कार्यालयी हिंदी के प्रयोग को समझ पायेंगे ।

२. सरकारी पत्र- लेखन की प्रक्रिया को समझेंगे ।

३. कार्यालयों में अनुवाद के महत्व को स्पष्ट कर पायेंगे ।

४. कार्यालयी कामजाकाज में संगणक या इंटरनेट के प्रयोग को समझ पायेंगे ।

५. कार्यालयी कामकाजी हिंदी को सिखकर विद्यार्थी रोजगार प्राप्त कर सकेंगे ।

इकाई		
I	**1 :-** • कार्यालय का स्वरुप एवं प्रबंधन • कार्यालय की कार्य पध्दति • कार्यालयी हिंदी से तात्पर्य एवं स्वरुप • कार्यालयी हिंदी के भेद या प्रकार • कार्यालयीन हिंदी : प्रयोग क्षेत्र क) टिप्पण लेखन ख) प्रारुप लेखन ग) संक्षेपन लेखन घ) पल्लवन लेखन च) प्रतिवेदन लेखन	15
II	**2 :-** • कार्यालयीन पत्र: लेखन और प्रक्रिया • कार्यालयीन पत्र: स्वरुप, परिभाषा एवं विशेषताएँ • सरकारी पत्र क्र प्रमुख अंग या चरन • कार्यालयीन पत्र: लेखन की भाषागत विशेषताएँ • कार्यालयीन पत्र: लेखन के विविध रुप सरकारी पत्र , अध्दसरकारी पत्र, कार्यालयी ज्ञापन, अधिसूचना, संकल्प, आदेश परिपत्र राजपत्र और प्रेस विक्षप्ति ।	15
III	**3 :-** • कार्यालयीन अनुवाद : आवश्यकता और उपयोग • कार्यालयीन अनुवाद : स्वरुप एवं महत्व • कार्यालयीन अनुवाद की आवश्यकता • कार्यालयीन अनुवाद के प्रकार या भेद • कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ और समाधान	15
IV	**4 :-** • कार्यालय की कार्य पध्दति और कम्प्युटर • कम्प्युटर का परिचय, इतिहास एवं महत्व • कम्प्युटर के विभिन्न प्रकार तथा उपयोग • हिंदी सॉफटवेअर पॅकेज • देवनागरी युनिकोड और फॉण्ट प्रयोग इंटरनेट	15

संदर्भ ग्रंथः

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका, कैलाशनाथ पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति और अनुवाद, डॉ. माधव सोनटक्के, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिध्दान्त और प्रयोग, डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. कार्यालयीन हिंदी, प्रो. हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
5. प्रशासकीय हिंदी: प्रयोग और संभावनाएँ, डॉ. प.प. आंडाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. कार्यालयी हिंदी, डॉ. कैलाशनाथ पाण्डेय, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

माध्यम लेखन

Course Code No.: HIN-E-131	No. of Credits: 04	Semester: IV
Course Title:	माध्यम लेखन	

उद्देश्य:-

१. संचार के माध्यम से भाषा संप्रेषण कौशल को समझ पायेंगे ।

२. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों के महत्व को स्पष्ट करना।

३. विज्ञापन एवं धारावाहिक लेखन की प्रक्रिया को आत्मसात करना।

४. माध्यम लेखन एवं सृजनात्मक लेखन के महत्व को स्पष्ट करना ।

५. मीडिया लेखन के माध्यम से रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

इकाई		
I	**जन संचार : स्वरूप, प्रक्रिया और क्षेत्र** अ) जनसंचार : तात्पर्य एवं स्वरूप आ) संचार का स्वरूप एवं प्रक्रिया इ) संचार के क्षेत्र एवं प्रकार	10
II	**जन संचार माध्यम : स्वरूप, प्रकार एवं विकास** अ) जनसंचार माध्यम : तात्पर्य एवं स्वरूप आ) जनसंचार माध्यम के भेद या प्रकार १) परंपरागत माध्यम २) आधुनिक माध्यम ३) नव-इलेक्ट्रानिक माध्यम	15
III	**माध्यमों के लिए लेखन : स्वरूप और प्रकार** अ) माध्यम लेखन और सृजनात्मक लेखन आ) माध्यम लेखन : प्रमुख प्रकार १) मुद्रित माध्यम के लिए लेखन- अ) समाचार आ) फिचर इ) संपादकीय ई) विज्ञापन २) श्रव्य माध्यम के लिए लेखन अ) रेडियो वार्ता आ) रेडियो नाटक ३) दृक-श्राव्य माध्यम के लिए लेखन अ) धारावाहिक लेखन आ) विज्ञापन लेखन इ) फिचर फिल्म लेखन	20
IV	**सोशल मीडिया और हिंदी** अ) सोशल मीडिया की अवधारणा एवं स्वरूप आ) सोशल मीडिया के विविध रूप १) फेसबुक २) यू-टयूब ३) व्हॉट्सऐप ४) ट्विटर ५) इंस्टाग्राम	15

* **संदर्भ ग्रंथः**

1. मीडिया लेखन: सिध्दान्त और व्यवहार, डॉ. चंद्रप्रकाश संजय, प्रकाशन, नयी दिल्ली

2.नये जनसंचार माध्यम और हिंदी , सं. सुधीश पचौरी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

3. रेडियो नाटक की कला, डॉ. सिध्दानाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

4. भारतीय सिने सिध्दान्त, अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

शोध-प्रविधि

Course Code No.: HIN-R-132	No. of Credits: 04	Semester: I
Course Title:	शोध-प्रविधि	

उद्देश्य:-

१. शोध-प्रक्रिया से छात्र परिचित होंगे।

२. तुलनात्मक शोध से भारतीय साहित्य के महत्त्व को समझ पायेंगे।

३. छात्र शोध के द्वारा मानवीय मूल्यों के सही तथ्यों से अवगत होंगे।

४. शोध-प्रबंध लेखन की प्रक्रिया को आत्मसात करेंगे।

५. शोध-कार्यों में कम्प्युटर की उपयोगिता साबीत होगी।

इकाई		
I	• शोध की संकल्पना और स्वरूप • अनुसंधान और आलोचना • अनुसंधान के सोपान • शोध के प्रकार • शोध कार्य की तर्क- पध्दतियाँ • शोध-विश्लेषण की पध्दतियाँ	15
II	• अनुसंधान प्रविधि: साहित्यिक शोध-लेखन प्रविधि, तुलनात्मक शोध प्रविधि, अन्तरविधापरक शोध-प्रविधि, लोकसाहित्य अध्ययन की प्रविधि, भाषा -वैज्ञानिक शोध प्रविधि, ऐतिहासिक अनुसंधान प्रविधि, पाठालोचन • शोध विषय का निर्धारण • प्रारंभिक रूपरेखा और प्रबंध संक्षेप	15
III	• शोध सामग्री संकलन की पध्दतियाँ • सामग्री का वर्गीकरण या विश्लेषण • पाद-टिप्पणियाँ लिखने की प्रणालियाँ • शोध-प्रबंध लेखन के प्रमुख अंग • प्रबन्ध-परीक्षण तथा मौखिकी	15
IV	• शोध संहिता एवं कम्प्युटर अनुप्रयोग • कम्प्युटर : परिचालन एवं भाषिक अनुप्रयोग • इंटरनेट : ई सामग्री संग्रह तथा उपयोग • देवनागरी युनिकोड और फॉन्ट का प्रयोग • पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण • शोध सामग्री : नैतिकता एवं दूराचार	15

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुसंधान प्रविधि: सिध्दांत और प्रक्रिया, एस.एन. गंणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. शोध-प्रविधि, डॉ. विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली
3. शोध कैसे करें, पुनीत बिसरीया, एटंलाटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि., नयी दिल्ली.
4. हिंदी अनुसंधान, विजयपाल सिंह, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली
5. अनुसंधान की प्रक्रिया, सावित्रि सिन्हा, नैशलन पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
6. अनुसंधान के सिध्दांत, रवींद्र कुमार जैन, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
7. कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली

क्षेत्र कार्य / सर्वेक्षण

Course Code No.: HIN-F-133	No. of Credits: 04	Semester: II
Course Title:	क्षेत्र कार्य/ सर्वेक्षण	

* **उद्देश्य :-**

1. क्षेत्रीय कार्य को समझना
२. कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को समझना।
३. पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया से अवगत होना।
४. सूचना प्रौद्योगिकी में प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रयोग को समझना।
५. वाणिज्य या व्यापार के क्षेत्र में छात्र हिंदी भाषा-कौशल को प्राप्त करेंगे।

* **अध्ययन-अध्यापन पध्दति :-**

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. कार्यशाला / स्वाध्याय
4. बैंक, जनसंचार माध्यम, वित्तीय क्षेत्र के कार्यालयों से भेंट-यात्रा

	पाठयांश :-	**तासिकाएँ**
*	1 क्षेत्रीय कार्य : सर्वेक्षण, स्वरुप तथा प्रक्रिया	10
*	2. कार्यालयीन माध्यम और हिंदी	10
*	**3.** जनसंचार माध्यम और हिंदी	10
*	**4.** वित्त - व्यापार और हिंदी	10
*	**5.** संगणक, इंटरनेट और हिंदी	10
*	**6.** बैंक, जनसंचार माध्यम, वित्तीय क्षेत्र को भेट	10

* **सर्वेक्षण**